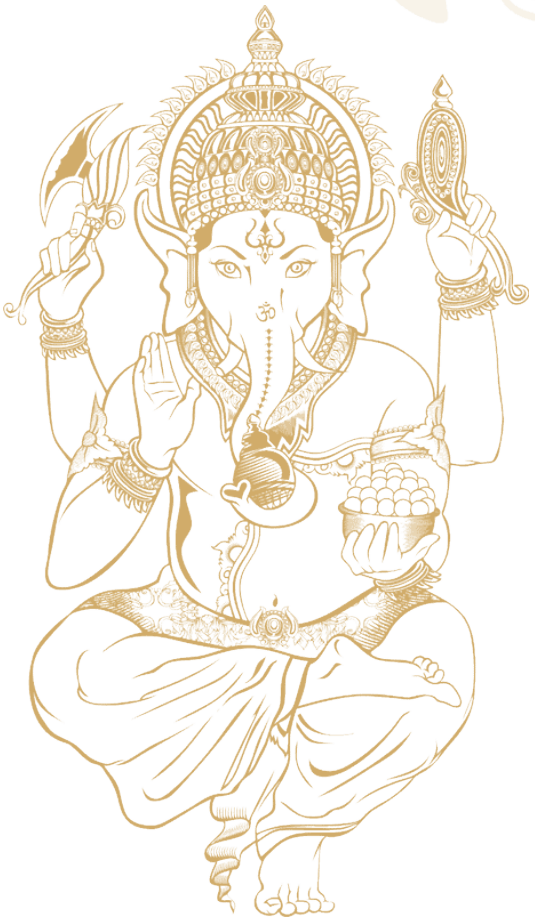

Mr.Kavindar Singh

09 Feb 2005

03:01 PM

Hanumangarh

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 119238403

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**09/02/2005**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**15:01:00 घंटे**
इष्ट	19:19:36 घटी
स्थान	**Hanumangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:33:00 उत्तर
रेखांश	74:21:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:28:24 घंटे
वेलान्तर	-00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	23:46:42 घंटे
सूर्योदय	07:17:09 घंटे
सूर्यास्त	18:16:50 घंटे
दिनमान	10:59:41 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	26:48:30 मकर
लग्न के अंश	15:51:58 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	परिघ
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गूजरमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:51:58	317:55:34	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मक	26:48:30	01:00:46	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	03:16:52	15:01:05	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल			धनु	07:55:42	00:42:27	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध		अ	मक	23:00:03	01:43:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		कन्या	24:51:03	00:01:24	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	14:31:02	01:15:08	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	27:55:00	00:03:59	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	00:57:41	00:09:14	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	00:57:41	00:09:14	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष			कुंभ	11:55:21	00:03:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	21:21:36	00:02:16	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	00:01:19	00:01:26	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मीन	02:26:59	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:37

लग्न-चलित

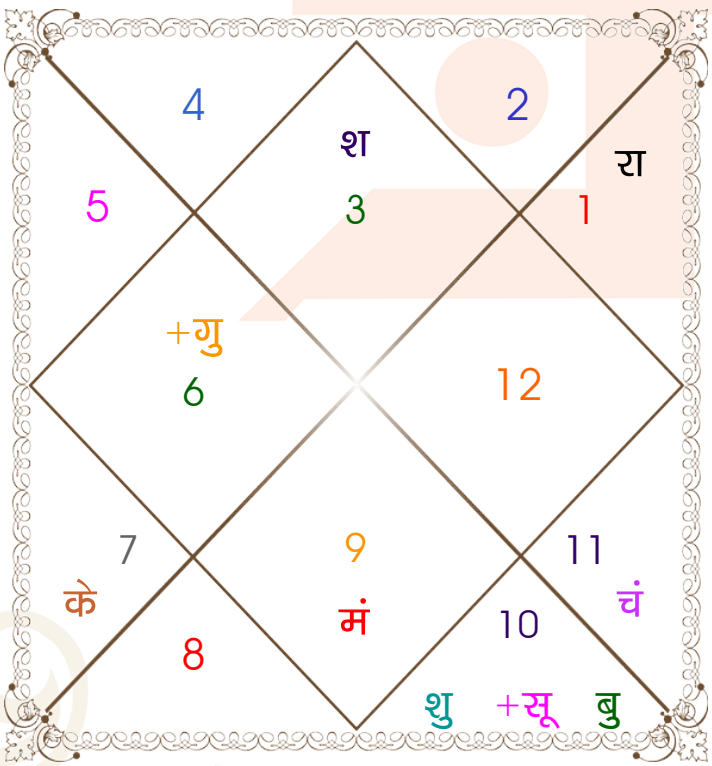

चन्द्र कुंडली

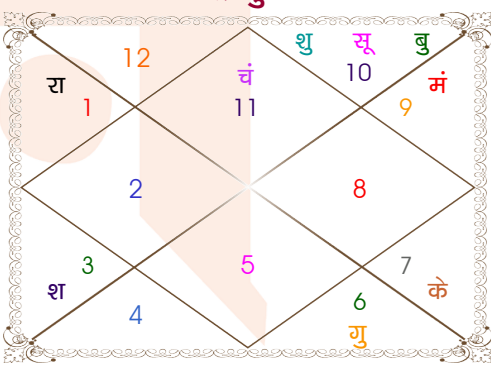

नवमांश कुंडली

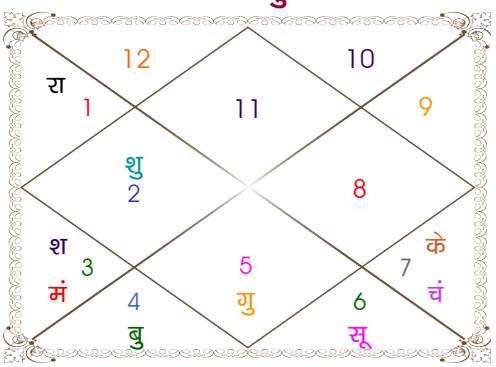

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 9 मास 10 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/02/2005		20/11/2006		20/11/2024		20/11/2040		21/11/2059	
20/11/2006		20/11/2024		20/11/2040		21/11/2059		20/11/2076	
	00/00/0000	राहु	02/08/2009	गुरु	08/01/2027	शनि	24/11/2043	बुध	18/04/2062
	00/00/0000	गुरु	27/12/2011	शनि	21/07/2029	बुध	03/08/2046	केतु	15/04/2063
	00/00/0000	शनि	02/11/2014	बुध	27/10/2031	केतु	12/09/2047	शुक्र	13/02/2066
	00/00/0000	बुध	21/05/2017	केतु	02/10/2032	शुक्र	11/11/2050	सूर्य	21/12/2066
	00/00/0000	केतु	09/06/2018	शुक्र	03/06/2035	सूर्य	24/10/2051	चंद्र	21/05/2068
	09/02/2005	शुक्र	09/06/2021	सूर्य	21/03/2036	चंद्र	24/05/2053	मंगल	18/05/2069
शुक्र	14/12/2005	सूर्य	03/05/2022	चंद्र	21/07/2037	मंगल	03/07/2054	राहु	06/12/2071
सूर्य	21/04/2006	चंद्र	02/11/2023	मंगल	27/06/2038	राहु	09/05/2057	गुरु	13/03/2074
चंद्र	20/11/2006	मंगल	20/11/2024	राहु	20/11/2040	गुरु	21/11/2059	शनि	20/11/2076

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
20/11/2076		21/11/2083		22/11/2103		21/11/2109		22/11/2119	
21/11/2083		22/11/2103		21/11/2109		22/11/2119		00/00/0000	
केतु	18/04/2077	शुक्र	22/03/2087	सूर्य	10/03/2104	चंद्र	21/09/2110	मंगल	19/04/2120
शुक्र	18/06/2078	सूर्य	21/03/2088	चंद्र	09/09/2104	मंगल	23/04/2111	राहु	07/05/2121
सूर्य	24/10/2078	चंद्र	20/11/2089	मंगल	15/01/2105	राहु	21/10/2112	गुरु	13/04/2122
चंद्र	25/05/2079	मंगल	20/01/2091	राहु	09/12/2105	गुरु	20/02/2114	शनि	23/05/2123
मंगल	21/10/2079	राहु	20/01/2094	गुरु	28/09/2106	शनि	22/09/2115	बुध	19/05/2124
राहु	08/11/2080	गुरु	20/09/2096	शनि	10/09/2107	बुध	20/02/2117	केतु	15/10/2124
गुरु	15/10/2081	शनि	21/11/2099	बुध	16/07/2108	केतु	21/09/2117	शुक्र	10/02/2125
शनि	23/11/2082	बुध	21/09/2102	केतु	21/11/2108	शुक्र	23/05/2119		00/00/0000
बुध	21/11/2083	केतु	22/11/2103	शुक्र	21/11/2109	सूर्य	22/11/2119		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।